डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा कविसंधि कार्यक्रम संपन्न

कविता में आप झूठ नहीं बोल सकते – गंगा प्रसाद विमल

नई दिल्ली। 25 मई 2018। 'कविता में आप झूठ नहीं बोल सकते, कविता अपने आप में एक जिम्मेदारी लेकर आती है जिसकी रक्षा आपको करनी ही होती है'। उपर्युक्त विचार प्रख्यात कवि और कथाकार गंगाप्रसाद विमल ने साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित कार्यक्रम कविसंधि के दौरान कहे। आगे उन्होंने कहा कि मेरी कविताओं में अदृश्यता के जो सूत्र हैं वे आदिकाल से शुरू होकर आधुनिकतम काल तक पहुँचते हैं। बहुत कम संख्या में ही सही कुछ अदृश्य शक्तियाँ हमको परास्त करना चाहती हैं। साहित्य अकादेमी के इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में उन्होंने बीस से अधिक कविताएँ प्रस्तुत कीं। कविताओं में पहाड़, अंतरिक्ष, जंगल, किसान, हिमालयी आड़ू के फूल आदि प्रमुख रूप से प्रतिबिंबित हुए। कविताओं की प्रस्तुति के बाद उपस्थित श्रोताओं ने उनसे उनकी रचना प्रक्रिया को लेकर सवाल जवाब भी किए। एक श्रोता द्वारा पूछे गए प्रश्न कि आपकी कविताओं में अंतरिक्ष क्यों हावी है? के जवाब में उन्होंने कहा कि कविता मेरी नजर में मार्चिंग सांग (परेड गीत) नहीं है या सीधे किसी लक्ष्य पूर्ति के लिए नहीं लिखी गई है। सांकेतिक स्तर में ही कविता अपनी बात रखती है। एक समय के बाद कष्टों से मुक्ति पाने का एक ही तरीका होता है और वह है प्रारब्ध पर विश्वास करना। उनकी कविताओं पर टिप्पणी करते हुए एक श्रोता ने कहा कि उनकी कविताएँ समृद्ध जीवनकोश सी हैं। उनमें इतने देशज शब्द होते हैं जो पाठकों को विभिन्न तरीके से समृद्ध करते हैं। कार्यक्रम का संचालन हिंदी संपादक अनुपम तिवारी ने किया और कहा कि मौजूदा समय में वैश्विक स्तर पर स्मृति, कल्पना एवं स्वप्न पर खतरे बढ़े हैं, गंगा प्रसाद विमल की कविताओं में इनकी पूरी संवेदना और जिम्मेदारी के साथ अभिव्यक्ति मिलती है। पहाड़ के जीवन, वहाँ से पलायन और उस पलायन से उपजी पीड़ा को विमल जी की कविताएँ बहुत शिद्दत से व्यक्त करती हैं। कार्यक्रम में प्रो. सत्यव्रत शास्त्री, सौमित्र मोहन, उनीता सच्चिदानंद, रणजीत साहा, मंदिरा आदि महत्त्वपूर्ण विद्वान और साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव ने डॉ. गंगाप्रसाद विमल का स्वागत पुस्तक भेंट करके किया।

ह./–
(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in